मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा

दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर-४७४००१
(अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से संबद्ध)

कहानी लेखन प्रतियोगिता-२०२२ (जुलाई)

प्रति,
श्रीमान.....
विद्यालय/महाविद्यालय.....
पूरा पता.....

मान्यवर,

गालव ऋषि की तप:स्थली ग्वालियर की साहित्यिक संस्थाओं में वरिष्ठ संस्था मध्यभारतीय हिंदी साहित्य सभा साहित्य की गद्य एवं पद्य विधाओं में उत्कृष्ट लेखन के लिये प्रेरक केंद्र के रूप में सदैव कार्य करती रही है। प्रेमचंदोत्तर कथा साहित्य की दिशा को नवांकुरों के लिए उपयोगी बनाने एवं युवा लेखकों को गद्य लेखन हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सभा प्रतिवर्ष प्रतियोगिताओं का आयोजन करती है इसी क्रम में इस वर्ष सभा द्वारा प्रेमचंद जी की जयंती पर मौलिक कथा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता को दो वर्गों में अर्थात विद्यायलीन स्तर पर दो वर्गों- कक्षा ५ से ८ तथा कक्षा ९ से १२ एवं महाविद्यालय स्तर पर दो वर्गों-स्नातक एवं स्नातकोत्तर में विभाजित कर संपन्न कराया जाएगा। विद्यालय/महाविद्यालय से प्राप्त दोनो वर्गों के प्रतिभागियों की प्रविष्टियों का सभा द्वारा बनाई गई चयन समिति के द्वारा परीक्षण करने के उपरांत प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी को सभा द्वारा सम्मानित किया जायेगा। सम्मान प्रारूप गोपनीय है जो कि कार्यक्रम दिवस पर ही घोषित किया जायेगा ताकि सभा की यह प्रतियोगिता सिर्फ सम्मान या पुरस्कार प्राप्त करने का लक्ष्य साधने तक की मन:स्थिति तक ही सीमित होकर न रह जाये वरन इसके माध्यम से कहानी लेखन के क्षेत्र में कुछ नवोदित अनुपम प्रतिभायें प्रकाश में आ सकें। इस हेतु सभा प्रत्येक महाविद्यालय एवं विद्यालय के रचनात्मक प्रतिभावान प्राध्यापकों एवं अध्यापकों से आत्मीय सहयोग करने का अनुरोध करती है।

■ **प्रतियोगिता के सभी प्रतिभागी निम्नलिखित विषयों को केंद्र में रखकर अपनी मौलिक लघुकथा/कहानी का लेखन कर सकते हैं:-**

१) पर्यावरण स्वच्छता और विद्यार्थी-इस प्रकार की कहानी में विद्यार्थियों को वातावरण को स्वच्छ बनाने में किये जाने वाले योगदान को केंद्र में रखना है।

२) पशु-पक्षियों के साथ मैत्री-इस प्रकार की कहानी में पंचतंत्र की कहानियों की आधारभूमि पर आधुनिक प्रतिमानों को लेकर कहानी लिखने का प्रयत्न करना है।

३) दादा-दादी एवं नाना-नानी के साथ सम्बन्ध-इस प्रकार की कहानी में विद्यार्थी को आधुनिक संदर्भ को लेकर घर के बुजुर्गों के साथ सम्बन्धों को व्यक्त करना है।

४) मानवीय मूल्य जैसे- कठिन परिश्रम, धैर्य, निष्ठावान होने का गुण, निर्भयता का गुण, करुणा, परोपकार, ग्राम्य संस्कृति की महत्ता, आत्मनिर्भरता का गुण, स्वावलंबन बोध इत्यादि को केंद्र में रखकर कहानी लेखन करना है।

■ **प्रतियोगिता के निर्देश:-**

१) प्रतियोगिता के प्रत्येक प्रतिभागी को अपने विद्यालय/महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत की गई अपनी कहानी के मौलिक होने का सत्यापन पत्र भी अपनी कहानी/लघुकथा के साथ संलग्न करना होगा।

२) पंजीयन शुल्क १०/- है।

३) २० जुलाई २०२२ तक विद्यालय/महाविद्यालय के प्रतिभागियों की कहानियाँ सभा में अनिवार्य रूप से जमा हो जाये।

४) कहानी/लघुकथा हस्तलिखित होना अनिवार्य है।

५) कहानी/लघुकथा मान्य तत्वों के अनुसार लिखित गई हो।

आयोजक

सभा अध्यक्ष	सभा मंत्री	संयोजक
डॉ कुमार संजीव	धीरज शर्मा	डॉ. वंदना कुशवाह

मध्य भारतीय हिन्दी साहित्य सभा

दौलतगंज, लश्कर, ग्वालियर-४७४००१

(अखिल भारतीय साहित्य परिषद् से संबद्ध)

कहानी/लघुकथा लेखन प्रतियोगिता-२०२२ (जुलाई)

पंजीयन प्रपत्र

१) नाम .....

२) पिता का नाम .....

३) कक्षा .....

४) विद्यालय/महाविद्यालय .....

५) पत्र व्यवहार का पता .....

६) ई-मेल .....

७) मोबाईल .....

८) कहानी/लघुकथा लेखन के लिये चयनित बिंदु .....

हस्ताक्षर

.....

दिनांक

.....